A–1260

Total Pages : 6 **Roll No. .....**

BAEC (N)-201

(लोक वित्त के मूल तत्व)

3rd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट :– यह प्रश्न–पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर–पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the nature of public finance. Explain in detail how it is considered different from private finance.

   लोक वित्त की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए। इसे निजी वित्त से कैसे भिन्न माना जाता है, विस्तार पूर्वक समझाइए।

2. Define private goods, public goods, and merit goods and explain the main differences between them.

   निजी वस्तुओं, लोक वस्तुओं और मेरिट वस्तुओं की परिभाषा देते हुए उनके बीच के मुख्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

3. Critically analyze the theories of both Wagner and Wiseman-Peacock and evaluate their practical rele vance.

वैगनर और वाइजमैन-पीकॉक दोनों के सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें और उनकी व्यावहारिक प्रासंगिकता का मूल्यांकन करें।

4. Discuss the relationship between functional finance and economic stabilization. Explain it in the context of inflation and unemployment.

कार्यात्मक वित्त और आर्थिक स्थिरीकरण के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए। इसे मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के संदर्भ में समझाइए।

5. How does taxation affect economic development, poverty alleviation and social justice in developing countries like India ? Discuss the need for its effective reforms.

भारत जैसे विकासशील देशों में करारोपण का प्रभाव आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन और सामाजिक न्याय पर किस प्रकार पड़ता है ? इसके प्रभावी सुधारों की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Analyze the income distribution and efforts to reduce wealth inequality in the context of the economic activities of the state.

   राज्य की आर्थिक क्रियाओं के संदर्भ में आय वितरण और धन असमानता को कम करने के प्रयासों का विश्लेषण कीजिए।

2. How is the delivery of public goods and services ensured through public expenditure ? Evaluate its social and economic impacts.

   लोक व्यय के माध्यम से सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं का वितरण कैसे सुनिश्चित किया जाता है ? इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।

3. Analyze the positive and negative effects of public expenditure and suggest how it can be made more effective.

लोक व्यय के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए सुझाव दीजिए कि इसे अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है ?

4. Evaluate various measures to reduce tax incidence. Can tax incidence be reduced by making the tax system simple and transparent ?

करापात के विभिनन उपायों का मूल्यांकन कीजिए। क्या कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाकर करापात को कम किया जा सकता है ?

5. Analyze the various measures for managing public debt.

लोक ऋण के प्रबंधन के विभिन्न उपायों का विश्लेषण कीजिए।

6. Define the concept of market failure and analyze the role of public finance to overcome it.

बाजार असफलता (Market Failure) की अवधारणा को परिभाषित कीजिए और इसे दूर करने में लोक वित्त की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

7. How does public debt affect resource allocation and different sections of society ?

   लोक ऋण का प्रभाव किस प्रकार संसाधनों के आवंटन (Resource Allocation) और समाज के विभिन्न वर्गों पर पड़ता है ?

8. "Internal debt is easier to repay than external debt." Discuss this statement in detail and explain the difference between internal debt and external debt

   "आंतरिक ऋण का भुगतान बाहरी ऋण की तुलना में सरल होता है।" इस कथन पर विस्तृत चर्चा कीजिए और आंतरिक ऋण और बाहरी ऋण के बीच अंतर को स्पष्ट कीजिए।

****